

 मिशन CTET / STET 2023 

HINDI

हिंदी व्याकरण के महत्वपूर्ण नियम और उदाहरण

(पिछली परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर)

CTET / STET की सभी परीक्षाओं हेतु उपयोगी

हमारे **TOPIC EXPERT** के साथ

BY HINDI GURU



LIVE

6:00 PM



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q1.

‘स्वतंत्र’ का संधि-विच्छेद है--

- (1) स्व + तंत्र
- (2) सु + तंत्र
- (3) सु + अतंत्र
- (4) स्वत + अंत्र



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q2.

किस शब्द में 'अव' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है--

- (1) अवधारणा
- (2) अवधी
- (3) अवनति
- (4) अवकाश



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q3.

‘इतिहास’ में किस प्रत्यय का प्रयोग किया जा सकता है?

- (1) ता
- (2) इक
- (3) इत
- (4) ई



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q4.

‘वैज्ञानिक’ में मूल शब्द है--

- (1) वैज्ञान
- (2) विज्ञानी
- (3) ज्ञान
- (4) विज्ञान



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q5.

संख्याओं के संदर्भ में कौन-सी अवधारणा समझानी सबसे कठिन है?

- (1) शून्य सबसे बड़ी संख्या है।
- (2) शून्य एक से बड़ा है।
- (3) शून्य एक से छोटा है।
- (4) शून्य जोड़ा जा सकता है।



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q6.

शून्य की अवधारणा आने पर भी मनुष्य ने इसे बहुत समय तक संख्या क्यों नहीं समझा होगा?

- (1) मूर्त चीजों से शून्य की सम्बद्धता न होना।
- (2) सभी वैज्ञानिक द्वारा इसे मान्यता न देना।
- (3) पशुओं द्वारा इसकी समझ रख पाना।
- (4) इसका प्रकृति प्रदत्त न होना।



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q7.

विश्व में किसने-पहले शून्य को संख्या के रूप में मान्यता दी?

- (1) मेसोपोटामिया
- (2) मध्य अमेरिका
- (3) भारत
- (4) यूरोप



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q8.

‘शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है।’ का आशय है-

- (1) यह दिखाई नहीं देता, परन्तु इसका अस्तित्व है।
- (2) संख्याओं में महत्वहीन स्थान धारक है।
- (3) यह दिखाई देता है पर इसे किसी शब्द में सुन नहीं सकते हैं।
- (4) यह अदृश्य है पर इसे सुन सकते हैं।



मिशन CTET / STET 2023

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?

(C-TET 1 JANUARY 2022)

मानव इतिहास में हजारों साल तक शून्य का कहीं अता-पता नहीं था। शून्य की अवधारणा आ भी गई तब भी काफी समय तक मानव ने इसे संख्या नहीं समझा। यह बात तो तय है कि शून्य प्रकृति-प्रदत्त नहीं हैं। हमने शून्य का आविष्कार अपनी सुविधा के लिए किया है। मनुष्यों ने शून्य की अवधारणा को न केवल समझा है, बल्कि उसकी सहायता से कई स्वचालित उपकरणों का आविष्कार भी कर लिया है। शून्य एक ही समय में एक अमूर्त विचार और एक वास्तविकता है और यह सीखना सबसे मुश्किल है कि शून्य एक से छोटा है। सबसे पहले भारत ने 'कुछ भी नहीं' को दर्शाने के लिए शून्य को एक स्वतंत्र संख्या के रूप में मान्यता दी। अगर हम शून्य को एक, दो और तीन जैसी संख्याओं की तरह मूर्त चीजों से सम्बद्ध कर पाते तो शायद शून्य को समझाना बहुत आसान होता।

Q9.

शून्य के बारे में कौन-सा वाक्य सही है?

- (1) शून्य प्रकृति प्रदत्त है।
- (2) शून्य मानव जनित आविष्कार है।
- (3) शून्य की गणना मानव ही कर सकते है।
- (4) शून्य मूर्त अवधारणा है।



मिशन CTET / STET 2023

Q10.

निम्न में से कौन-सा शब्द शुद्ध है? (UP-TET 2020)

- (1) चांद
- (2) आंख
- (3) अँक
- (4) अंगना



मिशन CTET / STET 2023

Q11.

निम्न में अन्तःस्थ व्यंजन कौन-सा नहीं है? (UP-TET 2018)

- (1) ह
- (2) य
- (3) र
- (4) व



मिशन CTET / STET 2023

Q12.

‘ङ्’ का उच्चारण स्थान क्या है? (UP-TET 2017)

- (1) ओष्ठ
- (2) मूर्धन्य
- (3) तालव्य
- (4) नासिक्य



मिशन CTET / STET 2023

Q13.

‘वीरों का कैसा हो वसन्त’ कविता किसने लिखी है? **(UP-TET 2017)**

- (1) सुमित्रा कुमारी चौहान
- (2) सुभद्रा कुमारी चौहान
- (3) माखनलाल चतुर्वेदी
- (4) रामधारी सिंह दिनकर



मिशन CTET / STET 2023

Q14.

कौन-सा शब्द 'धनुष' का पर्यायवाची नहीं है? (H-TET 2016)

- (1) कोदंड
- (2) विशिखासन
- (3) चाप
- (4) विशिख



मिशन CTET / STET 2023

Q15.

‘नरसिंह’ में कौन-सा समास है? (MP-TET 2019)

- (1) बहुव्रीहि समास
- (2) तत्पुरुष समास
- (3) कर्मधारय समास
- (4) द्विगु समास



मिशन CTET / STET 2023

Thank You!